29/04/21 पत्रावली पेश हुई वादीगण स्वयं उप.। वादीगण ने प्रार्थना पत्र वास्ते डिग्री करने वाद बाबत पेश किया तथा निवेदन किया कि उक्त अनवान के वाद में हम वादी एवं समस्त प्रतिवादीगण को हमारे गांव के मुसलमान लोगों एवं हमारे शुभ चिंतकों ने आपस मे समझा बुझा कर राजी कर लिया है। अब हम पक्षकारान के बीच में उस वाद के सम्बन्ध मे कोई वाद विवाद नही है तथा इसे आगे चलाने से हम पक्षकारों के सम्बन्ध और भी खराब हो रहे है। अतः उक्त वाद को जरिये राजीनामा डिग्री फरमाया जावें।

वादीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को न्यायहित मे स्वीकार किया जाकर उक्त अनवान के वाद को जरिये राजीनामा डिग्री फरमाया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या के क्रम से।

[signature]